केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450

9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 40 रविवार 1 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बहू पर पति के हत्या का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के धवाय टोला दयालडीह गांव निवासी बाबूराम ने एसपी को दिए शिकायती–पत्र में कहा कि 27 अगस्त की रात्रि में मेरी बहू अपने रिस्तेदारों के साथ मिलकर मेरे बेटे की पिटाई की। इस वजह से उसकी मौत हो गई। मैं अपने बेटी के घर दिल्ली गया था। आने पर गांववालों ने बताया कि मेरे बेटे की गला कसकर हत्या कर दी गई है। प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र मिश्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पेशिया एंटी मार्टम इंजरी दर्शाया गया है। मृतक के पिता के तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

"गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार" के लिये मांगे आवेदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वर्ष 2024–25 में "गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार" हेतु प्रस्ताव/आवेदन आमंत्रित है। उक्त जानकारी अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान ने दी है। उन्होने बताया कि प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति मानवाधिकारों की रक्षा, समाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहे हो, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर गुरू गोविन्द सिह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने व रू0 एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था है।

उन्होने बताया कि भारत का मूल नागरिक हो, उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने के वर्ष में सामान्यतया निवास करता रहा हो, मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो तथा गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार ना दिया गया हो, ऐसे व्यक्ति/नागरिक अर्ह रखने वाले पुरस्कार हेतु पात्र होंगे। उन्होने बताया कि आवेदन करने की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2024 है। उल्लेखनीय है कि गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिन 05 जनवरी को यह पुरस्कार दिया जाता है।

उन्होने बताया कि इस संबंध में उपरोक्त मापदण्डों को पूरा करने वाले जनपद के पात्र महानुभाव द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यो का तथ्यात्मक विवरण एवं अभिलेखीय साक्ष्य के साथ कार्यालय जिलाधिकारी में जमा कर सकते है।

सपा नेता ने किया बंधे का दौरा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव विजय विक्रम आर्य ने महादेवा विधानसभा क्षेत्र के मईपुर मदरहवा और रामपुर बंधे का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना। इसके बाबत जानकारी देते हुए प्रदेश सचिव ने कहा कि वर्तमान समय में महादेवा विधानसभा क्षेत्र से कई बन्धो की हालत दयनीय है सरयू नदी के कटान से ग्रामीणों में दहशत है।

उन्होंने बाढ़ खंड के अधिकारियों पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि स्थिति की गंभीरता को नजरंदाज करते हुए अधिकारी अपने मनमानी तरीके से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग किया कि बंधे के किनारे रहने वाले ग्रामीणों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाए और बंधे का स्थाई निराकरण कराया जाए। इस दौरान सपा जिला उपाध्यक्ष रिंटू यादव, गोविंद आर्य, रामपाल यादव, गुड्डू प्रधान, गुलशन यादव, धर्मेंद्र यादव, रंगीलाल चौधरी ,गोपाल यादव ,आयुष चौधरी और रवि के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हरियाणा में 1 नहीं अब 5 अक्टूबर को चुनाव:8 अक्टूबर को घोषित होंगे नतीजे

नई दिल्ली (आभा)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 1 अक्टूबर को नहीं होगा। चुनाव आयोग ने यह तारीख बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी है। इसके साथ ही, जम्मू–कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना दिवस को 4 अक्टूबर से बढ़ाकर 8 अक्टूबर कर दिया गया है। इस तरह दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। आयोग की ओर से कहा गया, 'यह फैसला बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है।'

ईसीआई की ओर से कहा गया, 'आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख बदलने को लेकर अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा से आवेदन मिला था। इसमें कहा गया कि पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार लंबे समय से चली आ रही परंपरा का पालन करते हैं। वे अपने गुरु जम्भेश्वर की स्मृति में बीकानेर जिले में होने वाले वार्षिक उत्सव के लिए राजस्थान में अपने पैतृक गांव मुकाम का दौरा करते हैं। इस साल यह त्योहार 2 अक्टूबर को पड़ेगा। इसलिए सिरसा, फतेहाबाद और हिसार में रहने वाले हजारों बिश्नोई परिवार मतदान के दिन राजस्थान की यात्रा करेंगे, जिससे वे वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।'

चुनाव आयोग पहले भी विभिन्न समुदायों की भावनाओं का सम्मान करते हुए वोटिंग की तारीखें बदलता रहा है। उदाहरण के तौर पर 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसा हुआ। ईसी ने गुरु रविदास जयंती पर वाराणसी जाने वाले भक्तों के लिए चुनाव सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। इसी तरह, मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में आयोग ने ईसाई समुदाय की रविवार की प्रार्थना का सम्मान करते हुए मतदान की तारीखें बदलीं। साल 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में भी ऐसा हुआ। ईसी ने देवउठनी एकादशी पर होने वाली वोटिंग की डेट बदल दी, जो राजस्थान में सामूहिक विवाह के लिए महत्वपूर्ण दिन है। इतना ही नहीं, यूपी विधानसभा चुनाव 2012 में बारावफात के कारण मतदान की तारीख बदली गई थी। हरियाणा में मतदान की तारीख बदलने से 30 सितंबर को एक दिन की छुट्टी लेने से 6 दिन का आँफ वाली चिंता का भी समाधान हो जाएगा।

इससे पहले, चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 1 अक्टूबर को मतदान होगा। 4 अक्टूबर को इसके नतीजे घोषित करने का फैसला हुआ था। इस समय राजनीतिक दलों के भीतर अपने–अपने उम्मीदवार घोषित करने को लेकर मंथन जारी है। खबर है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र की लडवा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने यह जानकारी दी।

करनाल में रोडशो से इतर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए सैनी ने कहा, 'मैं करनाल से भी चुनाव लडूंगा, आप चिंतित क्यों हैं।' जब सैनी से पूछा गया कि क्या वह 2 सीट से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे तो मुख्यमंत्री ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा, 'मैं करनाल से चुनाव लडूंगा।' दिन में बड़ौली से जब पूछा गया था कि मुख्यमंत्री कहां से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा था, 'मुख्यमंत्री साहब लडवा से चुनाव लड़ेंगे।'

मण्डलायुक्त ने किया एचडीएफसी बैंक के मालवीय रोड शाखा का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एचडीएफसी बैंक मालवीय रोड शाखा के नवनिर्मित शाखा का उद्घाटन मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि एचडीएफसी बैंक अपनी सेवाओं की गुणवत्ता एवं अच्छे उत्पादों के कारण आज विश्व के बड़े बैंकों में शामिल हो गया है।

क्षेत्रीय प्रबंधक करुणा सागर त्रिपाठी ने बैंक की सेवाओं के विशेषकर किसानों से संबंधित ऋण पर अपने विचार व्यक्त किया। प्रबंधक संतोष शुक्ला ने ग्राहकों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। एचडीएफसी बैंक बांसी के शाखा प्रबंधक अरुणेश कुमार मिश्र ने आए हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक करुणा सागर त्रिपाठी, शाखा प्रबंधक, संतोष शुक्ला, शाखा प्रबंधक, अरुणेश मिश्रा,पंकज चौधरी, ध्रुव चौधरी, शिखर सिंह ,चंद्रशेखर,मारुति त्रिपाठी, विपिन शुक्ला, राजेश सिंह, कृपा शंकर ,प्रशांत पांडे , प्रभात मिश्र, सविका हुसैनी, एवं शहर के प्रतिष्ठेद व्यापारी विनोद चौधरी, अशोक सिंह रानावीर सिंह, सईद अहमद , प्रशान्त पाण्डेय, संतोष सिंह,संतोष श्रीवास्तव, यजुवेन्द्र विक्रम सिंह आदि उपस्थित रहे।

12 हजार छोटी पंचायतों को अलग से धन देगी योगी सरकार

लखनऊ (आभा)। पंचायतों को अधिक धन तथा प्रधानों को ज्यादा अधिकारों की मांग को लेकर प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने बुधवार को मुख्य सचिव के साथ बैठक की। लोकभवन स्थित सभागार में कृषि उत्पादन आयुक्त की उपस्थित में आयोजित इस बैठक में 26 विभागों से 38 बिन्दुओं पर मंथन किया गया। इस दौरान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने छोटी पंचायतों को अलग से धनराशि प्रदान किये जाने तथा लखनऊ में पंचायत सदन के निर्माण पर सहमति व्यक्त की। साथ ही 12 हजार छोटी पंचायतों को अलग से धनराशि प्रदान करने को भी शासन की ओर से सहमति प्रदान की गई। साथ ही जिला योजना समिति में प्रधानों के मनोनयन के आदेश जारी करने के भी निर्देश दिये गये। वहीं नीति निर्धारण प्रकोष्ठ के गठन पर भी सहमति व्यक्त की गई। बैठक में राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने भाग लिया।

दबंगों ने तोड़ दिया सरकारी निर्माण, ग्राम प्रधान ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत गयाजीतपुर के ग्राम प्रधान अखिलेश कुमार चौधरी ने उप जिलाधिकारी हर्रैया को पत्र देकर सरकारी सम्पत्ति को क्षति पहुंचाने, ग्राम समाज की जमीन में पूर्व से बने खण्डजे के बीच से डाले गये पाइप व खण्डजे को तोड़कर फेंक देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और निर्माण कार्य को पूरा कराये जाने का आग्रह किया है।

पत्र में गयाजीतपुर के ग्राम प्रधान अखिलेश कुमार चौधरी ने कहा है कि ग्राम पंचायत निधि से सार्वजनिक नाली एवं पाइप द्वारा जल निकासी हेतु कार्य कराया जा रहा है। नन्दलाल, राम संवारे पुत्रगण राम दुलारे, प्रदीप पुत्र राम संवारे, रमेश, हरिश्चन्द्र पुत्रगण दीपेश कुमार आदि के द्वारा निर्माण कार्य को रोकने का प्रयास किया जा रहा था। 28 अगस्त को हल्का लेखपाल, नायब तहसीलदार और पुलिस बल की उपस्थिति में निर्माण कार्य कराया गया। निर्माण के बाद 30 अगस्त को राजेश कुमार पुत्र घुमावन आदि ने सरकारी निर्माण को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया और ग्राम प्रधान के साथ ही पूरे परिवार को जान से मार देने और एस.सी., एस.टी. एक्ट में मुकदमा दर्ज करा देने की धमकियां दी जा रही है।

पुलिस भर्ती परीक्षा सम्पन्न फेल हो गए नकल माफिया

लखनऊ (आभा)। यूपी पुलिस सिपाही के 60244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए भारी सुरक्षा प्रबंधों के बीच आयोजित लिखित परीक्षा पांचवें दिन भी पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गई। योगी सरकार के प्लान के चलते नकल माफिया पूरी तरह से फेल हो गए। पिछले अनुभवों से सबक लेते हुए योगी सरकार ने इस बार नकल माफिया की तोड़ निकाल ली और यह भर्ती परीक्षाओं के लिए एक मानक बन गया। यूपी के 67 जिलों के 1174 केंद्रों पर कुल 10 पालियों में आयोजित इस परीक्षा में 48 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए।

परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सभी जिलों में उत्कृष्ट सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर से अतिरिक्त पुलिस व पीएसी बल का प्रबंध किया गया था। इसके अलावा पर्यवेक्षक ड्यूटी के लिए 15 एसपी, 31 एएसपी व 28 डीएसपी स्टैंक के अधिकारी भी लगाए गए थे। वैसे सुरक्षा में कुल 245 कंपनी पीएसी, आठ कंपनी सीएपीएफ, 137 एएसपी व 522 डीएसपी के अलावा 3876 इंस्पेक्टर, 32311 सब इंस्पेक्टर, 47587 हेड कांस्टेबल, 86844 कांस्टेबल व 26582 महिला कांस्टेबल लगाई गई थीं।

परीक्षा की त्रिस्तरीय लाइव मॉनीटरिंग की गई। इसके लिए परीक्षा केंद्र के अलावा जिला मुख्यालय व भर्ती बोर्ड स्तर व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों की प्रभावी फ्रिस्किंग व चेकिंग मशीन के द्वारा पुलिस कर्मियों ने की। महिला अभ्यर्थियों की चेकिंग केवल महिलापुलिस कर्मियों द्वारा की गई। परीक्षा केन्द्र एवं उनके परीक्षा कक्षों में प्रवेश व निकास द्वार, स्ट्रांग रूम व परीक्षा केन्द्र के कॉरिडोर आदि महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी लगाए गए। सभी अभ्यर्थियों का भौतिक सत्यापन के अलावा डिजिटल फोटो कैप्चरिंग, फंगेयिल रिकग्निशन, बायोमेट्रिक्स (फिंगर प्रिंट व आइरिश) एवं शत–प्रतिशत रियल टाइम आधार सत्यापन के बाद ही परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी हुई।

कैमरों की मॉनिटरिंग जनपदीय कंट्रोल रूम एवं कमांड सेंटर के अलावा पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा की गई। गोपनीय सामग्री की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए विशेष स्थान ट्रेजरी व चिह्नित स्ट्रांग रूम पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, जिसकी 24 घंटे लाइव मॉनीटरिंग की गई।

गोपनीय सामग्री के सुरक्षित परिवहन के लिए प्रत्येक केन्द्र के लिए एक डेडिकेटेड वाहन एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट पर्याप्त सशस्त्र पुलिसकर्मियों तैनात किए गए। सभी केन्द्रों पर परीक्षा की शुचिता एवं सुगम संचालन के लिए एक–एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। बस्ती भी परीक्षायें शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई।

गरीबों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मुकदमा निःशुल्क लड़ेगा विधि विभाग–नितिन मिश्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के बस्ती मण्डल के कार्यकर्ताओं की बैठक जिलाध्यक्ष शिवनरायन पाण्डेय और प्रदेश महासचिव एवं बस्ती मण्डल प्रभारी नवीन श्रीवास्तव के संयोजन में सम्पन्न हुई।

मण्डलीय बैठक को सम्बोधित करते हुये विधि विभाग के प्रदेश चेयरमैन नितिन मिश्रा ने कहा कि अधिवक्ताओं का दायित्व पीड़ितों को न्याय दिलाना है। विधि विभाग सदैव इसे लेकर गंभीर रहा है कि समाज के दबे कुचले, गरीबों को निःशुल्क न्याय दिलाने की दिशा में कांग्रेस से जुड़े अधिवक्ता सहयोग करें। उन्होने कहा कि कांग्रेस का कोई भी कार्यकर्ता जो धनाभाव के चलते अपना मुकदमा लड़ने में असमर्थ है उसका केस विधि विभाग विभाग निःशुल्क लड़ेगा। कहा कि अधिवक्ता हितों के लिये विधि विभाग निरन्तर संघर्षरत है।

कामगार कांग्रेस के पूर्वान्चल कोआर्डिनेटर नोमान अहमद ने बैठक में कहा कि देश को आजादी दिलाने में अधिवक्ताओं का बड़ा योगदान है। कांग्रेस ने सदैव अधिवक्ताओं को सम्मान दिया और

–कांग्रेस विधि विभाग की मण्डलीय बैठक में उठे जमीनी मुद्दे

दोनों सदनों में सदैव कांग्रेस ने अधिवक्ताओं का प्रतिनिधित्व बनाये रखा। उन्होने आवाहन किया कि नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी निरन्तर आम लोगों से जुड़कर उनकी परेशानियों को समझने के साथ ही उनके अधिकारों के लिये लड़ रहे हैं। अधिवक्ता समाज को उसी तरह से अपना योगदान और बढाना होगा।

प्रदेश महासचिव एवं बस्ती मण्डल प्रभारी नवीन श्रीवास्तव ने मण्डलीय बैठक में अधिवक्ताओं के बीच किये जा रहे कार्यों और जन जागरण कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। विधि विभाग के मण्डलीय बैठक में मुख्य रूप से सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष साहू द्विवेदी, संतकबीर नगर जिलाध्यक्षा कमरूदीन, बाबूराम सिंह, आदर्श गुप्ता, रवि पाण्डेय, अंकुश, प्रिन्स, इमरान, सुनील यादव, विकास सिंह, राम सहाय सिंह, विद्याराम, के.के. उपाध्याय, अरूण कुमार पाण्डेय, सुल्तान अहमद, गंगा मिश्र, शिवम, अंकित तिवारी, रमेश, विजय के साथ ही विधि विभाग एवं कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, अधिवक्ता शामिल रहे।

मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को ऑल इण्डिया महापदमानन्द कम्युनिटी एजूकेटेड एसोसिएशन जिला अध्यक्ष आलोक ठाकुर के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में नन्दबंशीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कठिन परिश्रम कर सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्रों का मनोबल बढाना हम सबकी जिम्मेदारी है जिससे उनका उत्साह बढे और वे देश के सुयोग्य नागरिक बन सके।

विशिष्ट अतिथि एसोसिएशन के प्रदेश संगठन सचिव उमेश चन्द्र ने कहा कि छात्रों के उत्साहवर्धन से ही हम देश को सुयोग्य और समर्थ नागरिक दे पाने में सक्षम होंगे। इसी बडे उददेश्य को लेकर समूचे प्रदेश में छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया जाता है। एसोसिएशन के महराजगंज जनपद जिलाध्यक्ष शैलेष नन्दबंशी ने कहा कि आज की युवा पीढी पर सवाल तो खूब उठाये जाते हैं किन्तु उनके मार्ग दर्शन के लिये बहुत कम संस्थायें आ पाती है। इस सोच को बदलना होगा।

–छात्रों का मनोबल बढाना हम सबकी जिम्मेदारी–हरिप्रसाद शर्मा

कार्यक्रम को सुदामा प्रसाद नन्द, डॉ. राघवेन्द्र रमन, शोभाराम ठाकुर, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, डॉ. हरिकेश नन्द आदि ने सम्बोधित कर छात्रों का हौसला बढाया। कुल 17 छात्रों राधा शर्मा, रंजीत कुमार, प्रिया, प्रीतम, रितेश ठाकुर, उत्तम, रिंकी, वरुण शर्मा, रिया ठाकुर, शिवा, अमृता शर्मा, नितिन प्रताप शर्मा, अनुज शर्मा, गरिमा, अंकित कुमार ठाकुर, सलोनी को मेडल, प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। अतिथियों को एसोशिएसन की ओर से भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर का चित्र भेंट किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीनानाथ ठाकुर, बाबा ठाकुर, कैलाश चन्द्र शर्मा, रामकिशोर ठाकुर, संजय शर्मा, लालमणि शर्मा, चन्द्र प्रकाश गौतम, सुभाष ठाकुर, बुद्ध प्रिये, अनिल शर्मा के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

10 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में शनिवार को संघ पदाधिकारियों, शिक्षकों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि समस्याओं का प्रभावी निराकरण कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि शिक्षकों के समायोजन 30 जून के छात्र संख्या के आधार पर विभाग द्वारा किया जा रहा है जो पूर्णतया अव्यवहारिक है। 20 मई से 30 जून तक विद्यालय बंद रहते हैं। छात्रों का प्रवेश नगण्य रहता है। जुलाई में स्कूल चलो अभियान के बाद विद्यालयों में छात्र संख्या बढी है इसलिये 31 जुलाई के छात्र संख्या के आधार पर शिक्षकों का समायोजन किया जाय। सभी रिक्त विद्यालयों को खोलकर सरप्लस शिक्षकों को समायोजित किया जाय।

–69000 शिक्षकों की सूची के साथ छेड़छाड न करे सरकार- उदयशंकर शुक्ल

–31 जुलाई की छात्र संख्या के आधार पर हो समायोजन

भेजे ज्ञापन में 69000 शिक्षकों के सूची के साथ छेड़छाड न किये जाने, जिन अभ्यर्थियों का नाम सूची से छूट गया है उनको प्रदेश के रिक्त विद्यालयों के सापेक्ष समायोजित करने, भारत सरकार द्वारा घोषित यूपीस में ओपीएस के प्राविधानों को समाहित करते हुये शासनादेश जारी किये जाने, कोरोना काल के कर्मचारी, शिक्षकों का फीज डीए बहाल किये जाने, मानव सम्पदा पर शिक्षकों के ई.एल. अवकाश फीड किये जाने, कानवेन्ट की तुलना में परिषदीय विद्यालयों के छात्रों के बैठने हेतु डेस्क, बेंच उपलब्ध कराने, प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय एवं सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय की वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नति किया जाय। 31 मार्च 2002 के शासनादेश के अनुसार जी.पी.एफ. जमा का सिस्टम बदलकर खाता संख्या 8338 की जगह 8009 में भेजा गया। खाता संख्या 8338 की धनराशि 8009 खाते में जमा होना था जिसे अभी तक जमा नहीं किया गया जिससे सेवा निवृत्त होने वाले शिक्षकों का भुगतान बाधित हो रहा है। जमा राशि का ब्याज लगाकर उक्त खाते में धनराशि भेजकर भुगतान कराये जाने आदि की मांग शामिल है।

संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश जनपदों में स्वीकृत एवं रिक्त पदों के सापेक्ष पदोन्नति सूची अपलोड किया गया है किन्तु बस्ती जनपद में शासनादेश के बावजूद यह प्रक्रिया जान बूझकर बाधित की जा रही है। शिक्षक इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश मिश्र, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, ओम प्रकाश पाण्डेय, रजनीश मिश्र, आशुतोष पाण्डेय, रक्षाराम वर्मा, नरेन्द्र द्विवेदी, राम स्वरूप, मंजेश राजभर, रविप्रताप सिंह, गौरव सिंह, विनोद कुमार, दिग्विजयनाथ यादव, सत्येन्द्र सिंह 'सोनू', सन्तोष कुमार, राजेश चौधरी के साथ ही अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 सितम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

प्रदूषण और नियंत्रण

यह खबरें उत्साहवर्धक है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया वार्षिक रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक–2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19. 3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं,लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक–2024' में यह भी चेताया गया है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2. 5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, पीएम–2.5 हवा में विद्यमान ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं जो हमारे श्वसनतंत्र पर घातक प्रभाव डालते हैं। उल्लेखनीय है कि एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम–2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है।

बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल ठंड की दस्तक के बाद पराली जलाने और दिवाली पर पटाखे फोड़ने के बाद जो प्रदूषण का बड़ा संकट खड़ा होता है, उसमें हम अपनी जिद व लापरवाही की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दरअसल, पीएम–2.5 कणों की सांद्रता बढ़ाने में हमारी लापरवाही की बड़ी भूमिका होती है, जिसमें सड़कों पर बढ़ते वाहनों का दबाव भी शामिल है। जिसके मूल में हमारी लचर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी है। हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति–नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि शहरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता। हालिया कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। निस्संदेह, लगातार जहरीली होती हवा से मुक्ति नीति–नियंताओं की प्राथमिकता में शामिल होनी चाहिए। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

उपचुनावों को लेकर मुख्यमंत्री योगी की रणनीति

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में जीत दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद को पूरी तरह सक्रिय कर लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को प्रदेश में बड़े झटके का सामना करना पड़ा था, जिससे अब ये उपचुनाव पार्टी के लिए बेहद अहम हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से लगातार अलग–अलग जिलों का दौरा करके बीजेपी के लिए जीत की रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को साधने और विकास परियोजनाओं के जरिए जनता की नाराजगी दूर करने का प्रयास किया है, ताकि बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाया जा सके।

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में मीरापुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ की खैर, करहल, कुंदरकी, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी, मझवां और सीसामऊ जैसी सीटें शामिल हैं। इनमें से नौ सीटें 2024 के लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद बनने के कारण खाली हुईं, जबकि सीसामऊ सीट समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी के सजा होने के कारण खाली हुई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इनमें से तीन सीटें जीती थीं, जबकि पांच सीटें समाजवादी पार्टी के पास थीं। शेष दो सीटों पर राष्ट्रीय लोकदल और निषाद पार्टी के विधायक काबिज थे।

बीजेपी के लिए ये उपचुनाव सिर्फ अपनी तीन सीटों को बचाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सपा के दबदबे वाली सीटों पर विजय हासिल करके 2024 के लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की भरपाई करने का अवसर भी हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को छह सीटों पर सपा से कम वोट मिले थे, जिससे पार्टी की चिंता बढ़ गई थी। यही कारण है कि बीजेपी ने इन उपचुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को प्राथमिकता दी है। उन्होंने खुद मैदान में उतरकर सियासी माहौल बनाने का मिशन शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा शुरू किया। अंबेडकर नगर से इस अभियान की शुरुआत हुई और इसके बाद अयोध्या, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़ और कानपुर जैसे महत्वपूर्ण जिलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। हर जिले में पांच हजार से लेकर 17 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिससे बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई है। योगी आदित्यनाथ उपचुनाव वाले उन जिलों का दौरा कर रहे हैं, जहां रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों में युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, योगी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी कर रहे हैं। उन्होंने लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रमाण पत्र और छात्रों को टैबलेट्स वितरित किए हैं। इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी ने उपचुनाव वाली सीटों पर बीजेपी के लिए मजबूत आधार तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

बीजेपी की रणनीति में विकास, रोजगार और संवाद को मुख्य हथियार बनाया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को युवाओं की बेरोजगारी को लेकर मिली नाराजगी का सामना करना पड़ा था, जो पार्टी की हार का एक प्रमुख कारण बना। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को साधने की कोशिश की है। इन मेलों के माध्यम से युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनकी नाराजगी को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी ने अपनी जनसभाओं में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने हिंदुत्व के एजेंडे को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया है, ताकि बिखरे हुए हिंदू वोटों को एकजुट किया जा सके। योगी आदित्यनाथ ने हर जिले में उपचुनाव वाली सीटों के नेताओं के साथ बैठकें कीं और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने न केवल राजनीतिक मोर्चे पर बल्कि शासन स्तर पर भी तैयारी की है, जिससे बीजेपी की जीत सुनिश्चित हो सके।

योगी आदित्यनाथ ने इन 10 सीटों पर जीत की जिम्मेदारी खुद संभाल ली है। उन्होंने दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष को भी इस चुनावी अभियान में शामिल किया है, जिनके जिम्मे दो–दो विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को भी मैदान में उतार दिया है, जो अपने–अपने क्षेत्रों में बीजेपी के लिए जीत सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

इन उपचुनावों में बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती सपा की मजबूत सीटें हैं। करहल, कुंदरकी, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ जैसी सीटें बीजेपी के लिए कठिन मानी जा रही हैं। इसके अलावा, मझवां, मीरापुर और फूलपुर जैसी सीटें भी पार्टी के लिए आसान नहीं हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम पूरी तरह से इन सीटों पर फोकस कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को गंभीरता से लेते हुए पूरी ताकत झोंक दी है। रोजगार, विकास और संवाद के माध्यम से बीजेपी की रणनीति को मजबूत किया जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री योगी की यह मेहनत बीजेपी को उपचुनावों में कितनी सफलता दिला पाती है और पार्टी इस जंग को कैसे फतह करती है।

कश्मीर में बढ़ते आतंक का जिम्मेदार कौन?

जम्मू–कश्मीर एक बार फिर खबरों में है, लेकिन ये खबरें घाटी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या और आम लोगों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलाव को लेकर नहीं है। जम्मू–कश्मीर पिछले कुछ महीनों से आतंकी हमलों की एक लहर का सामना कर रहा है। कहीं तीर्थयात्रियों पर हमले हो रहे हैं तो कहीं आतंकी सेना के जवानों पर घात लगाकर हमले कर रहे हैं। इन हमलों में एक नया ट्रेंड देखा जा रहा है। आतंकी अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू क्षेत्र को निशाना बना रहे हैं। घाटी में आतंकी घटनाएं कम हो रही हैं। पाकिस्तान शुरुआत से ही कश्मीर को हड़पना चाहता था। इसके लिए उसने 1948 और 1965 में कश्मीर पर हमला भी किया। युद्ध में नाकामी के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देना शुरू किया। 1990 में शुरू हुआ पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद आज भी जारी है।

आजादी से पहले कश्मीर अलग रियासत थी। करीब 2.1 लाख वर्ग किलोमीटर में फैली इस रियासत पर डोगरा राजपूत वंश के राजा हरि सिंह का शासन था। डोगरा राजाओं ने पूरी रियासत को एक करने के लिए पहले लद्दाख को जीता। फिर 1840 में अंग्रेजों से कश्मीर छीना। उस समय इस रियासत की सीमाएं अफगानिस्तान और चीन से लगती थीं। ऐसे में कश्मीर रणनीतिक तौर पर बेहद अहम था।

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रास स्थित कारगिल वार मैमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा, "उन्होंने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। हमारे सैनिक आतंकवाद को खत्म कर मुंहतोड़ जवाब देंगे।'' 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से भी प्रधानमंत्री ने सर्जीकल स्ट्राइक 2016 और बालाकोट एयर स्ट्राइक 2019 की याद ताजा करवाई। अग्निपथ योजना के बारे में उन्होंने द्रास में कहा कि इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य सेना को सदैव ही युद्ध के लिए तैयार–बर–तैयार रखना है और यह स्कीम सेना की ओर से किए गए सुधारों की एक मिसाल है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने कुछ और मुद्दे भी उजागर किए।

भीतर से खतरा रू पाकिस्तान की वर्ष 1947–48 की लड़ाई में हुई शर्मनाक हार का बदला लेने की भावना के साथ पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल आयूब खान ने पाक अधिकृत कश्मीर (पी.ओ.के.) के अंदर वर्ष 1965 के शुरू में '4 गुरिल्ला ट्रेड्क्षनग कैंप' स्थापित कर करीब 9000 प्रशिक्षण प्राप्त घुसपैठियों को अगस्त के पहले सप्ताह इस्लाम के नारे के अंतर्गत जम्मू–कश्मीर के इलाके कारगिल से लेकर जम्मू के पश्चिम की ओर पहाड़ियों तक ध्केल दिया जो अभी भी विशेष तौर पर जम्मू के 9 जिलों में सरगर्म हैं।

मई से लेकर अब तक आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान घाटी में 18 सुरक्षा कर्मचारी अपना बलिदान दे चुके हैं। इनमें से 14 तो जम्मू क्षेत्र में ही शहीद हुए जिनमें 2 कैप्टन, 1 सी.आर.पी.एफ. इंस्पैक्टर तथा बाकी जवान शामिल थे। वास्तव में आतंकवाद का जन्मदाता तो आयूब खान ही है। जम्मू–कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने अगस्त के प्रथम सप्ताह में 5 पुलिस कर्मियों और एक अध्यापक को देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के दोष में संविधान की धारा 311 (2) (सी) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया। ऐसे लोग फिर से पैदा हो जाते हैं मगर किस तरह यह मालूम नहीं।

घाटी के अंदर हैरानीजनक भेद उस समय खुला जब वर्ष 2012 में एक पुलिस कर्मचारी को हिरासत में लिया गया। खुफिया एजैंसियों को करीब डेढ़ साल तक जांच करने के उपरांत पता चला कि कुछ पुलिस स्टाफ आतंकियों की ओर से सुरक्षा चौकियों और सुरक्षाबलों पर निशाना साध रहे हैं। कश्मीर रेंज के तत्कालीन इंस्पैक्टर जनरल (आई.जी.) शिव मुरारी सहाय के अनुसार जम्मू–कश्मीर के कांस्टेबल अब्दुल रशीद शीगान ने हिजबुल मुजाहिद्दीन के एक रिहा किए गए आतंकी इश्तियाज अहमद उर्फ रशीद के साथ मिलकर 18 महीनों में 13 बार घातक हमले किए जिनमें से एक जानलेवा हमला 11 दिसम्बर 2011 को जम्मू–कश्मीर के कानून एवं विधायी कार्यों बारे मंत्री अली मोहम्मद सागर के ऊपर भी किया गया। आई.जी. सहाय के उस समय के बयान के अनुसार अब्दुल को जब हिरासत में लिया गया तो उस समय वह सशस्त्र पुलिस के सुरक्षा विंग में ड्यूटी निभा रहा था।

फोर्स में भर्ती होने से पहले उसकी पृष्ठभूमि आतंकी गतिविधियों वाली रही है। उसे एक साल नजरबंद किया गया परन्तु अदालत के फैसले के अनुसार वर्ष 2012 में उसे वापस पुलिस में शामिल कर लिया गया जोकि कई सवाल पैदा करता है। इससे पहले भी वर्ष 2002 में राज्य के गृहमंत्री मुस्ताक अहमद लोन की हत्या के पीछे एक एस.एच.ओ. तथा एक मुंशी का हाथ था। अब सवाल पैदा यह होता है कि जम्मू–कश्मीर की करीब 1.40 लाख गिनती वाली पुलिस फोर्स में कितने इस किस्म के अधिकारी हों गे जिनकी तारें आतंकवादियों और कुछ नेताओं के साथ जुड़ी हो सकती हैं। इसका जवाब तो जम्मू–कश्मीर के प्रशासक ही दे सकते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि वारदातें करने वाले फिर जंगलों व घाटी में ही समा जाते हैं जोकि बिना किसी स्थानीय मदद के संभव नहीं है। शहादतें तो सेना को ही देनी पड़ती हैं।

बाज वाली नजर रू पाकिस्तान को केवल बार–बार चेतावनी देने के साथ बात नहीं बनेगी क्योंकि 'लातों के भूत बातों से नहीं मानते'। जरूरत इस बात की है कि आतंकियों के मददगार और कसूरवार राजनीतिक नेता, प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को बख्शा न जाए। जम्मू–कश्मीर के पुलिस विभाग में रद्दोबदल करने से ही आतंकियों का सफाया संभव होगा। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री की ओर से अग्निपथ योजना या वन रैंक वन पैंशन (ओ.आर.ओ.पी.) जैसे मुद्दों के बारे में राजनीति करना शोभा नहीं देता।

उल्लेखनीय है कि जब दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कारगिल युद्ध के समय यह महसूस किया कि शहीदों के परिवारों बल्कि समस्त सैनिक वर्ग के कल्याण के बारे में कोई नीति नहीं है तो उन्होंने रक्षा मंत्री दिवंगत जॉर्ज फर्नांडीज की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया। मगर अफसोस की बात है कि 25 वर्ष बीतने के बाद भी यह नीति नहीं बनी। प्रधानमंत्री मोदी को चाहिए कि उसके बारे में जिक्र करते। इसी तरह ओ.आर.ओ.पी. को लागू करने में सरकार की ओर से बार–बार अड़चनें डाली गईं। आखिकार सुप्रीमकोर्ट की ओर से सख्त फैसले के बाद सरकार को ही झुकना पड़ा। –ब्रिगे. कुलदीप सिंह काहलों (रिटा.)

अराजक राजनीति से अपराध के दलदल में भद्रलोक

—उमेश चतुर्वेदी—

बंकिम चंद्र की शस्य–श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल एक शक्ति–पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी–पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है।

स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं। पहली थीं अरुणा गांगुली, जिन्होंने बाद में अरुणा आसफ अली का नाम अपनाया। दूसरी थीं सुचेता मजूमदार, जो सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरी थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय, जिन्होंने बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का नाम पाया।

बंगाल की माटी ने महिलाओं को कितना सम्मान दिया, इसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय हैं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के काम में व्यस्त थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान और अवसर दिए। बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी।

अब स्थिति बदल गई है। इसका एक उदाहरण हाल ही में राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना है। स्वतंत्रता की 77वीं सालगिरह की रात, जब पूरा देश उत्सव में था, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरतापूर्वक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी चिंता नहीं होती थी, लेकिन अब लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो गए हैं। यह बंगाल में महिला के खिलाफ ऐसी बर्बरता की शायद पहली घटना है। इससे बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ स्वाभाविक है।दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त है। एक महिला के शासन में इस प्रकार का दुराचार लोगों के लिए असहनीय है। इसलिए बंगाल इन दिनों बहुत उबाल पर है। बंगाल का बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। पश्चिम बंगाल में हाल ही में संदेशखाली से महिलाओं के बलात्कार की खबरें आई थीं। वहां की घटनाओं की परतें खुलने पर पता चला कि बलात्कार की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा थीं। संदेशखाली की पीड़िताओं की खबरें भले ही उबाल ला पाईं, लेकिन आरजी कर अस्पताल की घटना ने कहीं अधिक ध्यान खींचा। इसका कारण यह हो सकता है कि संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों से थीं, जबकि आरजी कर की घटना कोलकाता शहर में हुई, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ है। 34 वर्षों के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़े झुंड उभरे। पश्चिम बंगाल के वासी इस संस्थागत व्यवस्था से इतने परेशान हो गए कि उन्हें ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि ममता एक नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ करेंगी। लेकिन अफसोस, ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी दिशा में चल पड़ीं, जिस दिशा में वामपंथी कैडर चलते थे।

प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि बलात्कार और हत्या पंद्रह अगस्त की रात दो से ढाई बजे के बीच हो चुकी थी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को फटकार भी लगाई। ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और हत्या के विरोध में धरना दिया गया। यह धरना ऐसा था, जो सरकार के खिलाफ सरकार द्वारा ही दिया गया था। ऐसा किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक नहीं देखा गया है। ममता ने प्रशासन में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं किया, बल्कि वामपंथ जैसी कैडर व्यवस्था को अपना लिया। इससे राज्य में अपराध बढ़ा और पुलिस का इकबाल कम हुआ। पुलिस की लाचारगी आरजी कर बलात्कार में भी नजर आई।बंगाल के बारे में कहा जाता रहा है कि 'बंगाल जो आज सोचता है, वैसी सोच भविष्य में अन्य राज्यों की होती है। इस उम्मीद को कायम रखते हुए भद्रलोक समाज को चाहिए कि वह इस दिशा में भी सोचे। उसका गुस्सा एक ऐसे बंगाल की रचना करे, जहां रवींद्र संगीत गूंजता रहे, बंकिम के गीत गाए जाएं और नारियां स्वतंत्र रूप से काम कर सकें। जहां सिंदूर खेला होगा, घुंघुची नृत्य होगा और दुर्गा देवी की पूजा होगी।

साथी के बिछड़ने से और भी घातक हुए भेड़िए, एक लंगड़ा भेड़िया बढ़ा रहा है सबसे ज्यादा दहशत

संवाददाता–बहराइच। जिले के थाना क्षेत्र हरदी में बृहस्पतिवार को तीन भेड़ियों में से एक को पकड़ लिया गया, वह नर है। इसके बाद वन विभाग जहां राहत की सांस ले रहा है तो वहीं जानकार अब हमले और तेज होने व बाकी दो भेड़ियों को जल्द पकड़ने की बात कह रहे हैं। बाकी बचे दो भेड़ियों में से एक लंगड़ा है जिसके ज्यादा आक्रामक होने की बात कही जा रही है। इससे ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई है। वहीं प्रभावित इलाके में पुलिस व पीएसी का पहरा भी बढ़ा दिया गया है। हरदी थाना क्षेत्र के 32 गांवों में खूनी खेल खेलने के बाद भेड़ियों ने अपने हमले का दायरा बढ़ा लिया है। भेड़िये खैरीघाट थाना क्षेत्र के दीवानपुरवा निवासी अयांश को जहां निवाला बना चुके हैं तो वहीं काजल व तीन बच्चों को भी जख्मी कर दिए हैं। हमले का दायरा बढ़कर 50 गांवों तक व प्रभावित आबादी 80 हजार के पार पहुंच चुकी है। यही नहीं भेड़ियों के नानपारा तहसील क्षेत्र के गांवों में भी पहुंचने की बात कही जा रही है। इसे लेकर बुधवार को विधायक नानपारा रामनिवास वर्मा की मौजूदगी में शिवपुर ब्लॉक में आपात बैठक की जा चुकी है। बैठक के बाद शिवपुर विकासखंड क्षेत्र के गांवों में भी सतर्कता के साथ गश्ती शुरू हो गई है। भेड़ियों को पकड़ने की टीम में शामिल एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भेड़िये कुनबे में रहते हैं। बृहस्पतिवार को एक भेड़िये के पकड़े जाने के बाद बाकी दो भेड़िये और आक्रामक हो सकते हैं। साथी की तलाश व उसकी गंध का पीछा करते हुए गांवों में दस्तक दे सकते हैं। इसे देखते हुए अभियान तेज कर दिया गया और जल्द से जल्द बाकी दोनों भेड़ियों को पकड़ने की तैयारी है। वहीं अपर मुख्य वन संरक्षक रेनू सिंह का कहना है कि टीमें सक्रिय हैं। अन्य दो भेड़िये भी जल्द पकड़ लिए जाएंगे।

सेवानिवृत्त डीएफओ कतर्नियाघाट ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि भेड़िया कुत्ता प्रजाति का सदस्य होता है। वहीं इसकी सूंघने व रेकी करने की क्षमता बहुत अच्छी होती है। यह 20 किलोमीटर तक शिकार करने में सक्षम होता है जो इसे और घातक बनाता है। उन्होंने बताया कि भेड़िये झुंड में रहते हैं और झुंड के सदस्यों के प्रति संवेदनशील भी होते हैं। हर झुंड का एक मुखिया होता है और अन्य सदस्य इसी के अनुसार चलते हैं। ऐसे में हमले कर रहे भेड़ियों के समूह में से जब तक ट्रैपिंग कैमरे से मुखिया का चिह्नांकन कर उसे पकड़ नहीं लिया जाता, हमले जारी रहेंगे। भेड़िये को पकड़ने के लिए प्रशासन जीतोड़ मेहनत कर रहा है। चप्पे–चप्पे पर पुलिस, पीएसी समेत अन्य विभागों के अधिकारी–कर्मचारी तैनात हैं। हरिबक्शपुरवा के निकट कछार में बृहस्पतिवार को एक भेड़िया पकड़ा गया जबकि दो के अभी सक्रिय होने की बात कही जा रही है। वन विभाग भेड़ियों के मुखिया की तलाश में जुटा है। वहीं खैरीघाट थाना क्षेत्र में भेड़िया दिखने से लोगों में दहशत बढ़ने लगी है। जिन गांवों में भेड़ियों की दहशत है, उन गांवों में पंचायत, विकास, पुलिस, राजस्व व वन समेत अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी रात–दिन गश्त कर रहे हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। अभी तक चार भेड़िये पकड़े भी जा चुके हैं। बावजूद इसके क्षेत्र में दहशत बरकरार है। भेड़िया प्रभावित गांवों में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि भेड़िये के हमले से नौ लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं करीब 35 से अधिक लोग जख्मी हो चुके हैं। भेड़ियों की चालाकी वन विभाग को छका रही है। वन कर्मियों का मानना है कि अगर भेड़ियों का मुखिया पकड़ में आ जाए तो हमले होने की आशंका बिल्कुल कम हो जाएगी।

ऐनिमल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य, प्रकृति पंथ प्रमुख अर्चित मिश्र ने कहा कि पूर्व में भी पकड़े गए भेड़ियों के साथ हादसे हो चुके हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि भेड़िये विलुप्ति के कगार पर खड़े हैं।

समान वेतन की मांग को लेकर सीएचओ ने बुलंद की आवाज

संवाददाता–महराजगंज। जिले भर की सीएचओ ने शनिवार को समान कार्य–समान वेतन सहित अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। सीएमओ कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर स्थायी करने सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र सौंपा। वक्ताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को नियमित करने, वेतन विसंगति सैलरी पीवीआई मर्ज व गृह जनपद में म्युचुअल/रिक्त स्थानांतरण की मांग को लेकर आवाज उठाई। कहा कि होम डिस्ट्रिक्ट स्थानांतरण करते हुए समान काम–समान वेतन लागू किया जाए। एएमएस पर केवल सीएचओ ही नहीं बल्कि सभी की उपस्थिति अनिवार्य की जाए। इसके साथ ही अविलंब सीएचओ को परमानेंट किया जाए। शिखा सिंह, पिंकी, पूजा, रोहित सिंह, आरती, पल्लवी, आकांक्षा, त्रिपति, खुशबू व रंजना आदि ने मांगों को लेकर अपनी बात रखी। कहा कि ग्रामीण जन समुदाय को उनके घर के समीप स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर की स्थापना केंद्र सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाली स्वास्थ्य योजना है। इस पर एक महत्वपूर्ण मानव संसाधन के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तैनात हैं। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कैडर अपने छह वर्ष का कार्यकाल पूरा करने जा रहा है। कोविड महामारी दौर के बाद अपने केंद्र पर अपनी सेवाएं निष्ठापूर्वक प्रदान कर रहे हैं। कहा कि गाइड लाइन के अनुसार सीएचओ के कैडर को निर्माण कर ग्रेड पे का निर्माण छह वर्ष की सेवा पूर्ण कर लेने के बाद नियमित करने की बात थी। वक्ताओं ने मांग की कि नियमित कैडर निर्माण कर ग्रेड पे 4800 निर्धारित किया जाए। पांच वर्ष पूरा होने के बाद बोनस दिया जाए। वक्ताओं ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा उत्तर प्रदेश के सीएचओ को पांच हजार कम दिया जा रहा है। इसको दुरुस्त किया जाए।

जलस्तर घटने के बावजूद कम नहीं हुई बाढ़ पीड़ितों की मुश्किल

संवाददाता–देवरिया। सरयू और राप्ती की बाढ़ के कारण कई गांव प्रभावित हुए है। जलस्तर भले ही कम हो गया हो लेकिन अभी दियारा क्षेत्र के तमाम घरों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। जहां पानी निकला है वहां कीचड़ और गन्दगी परेशान कर रही है।

थाना घाट पर बने मॉपक पर शुक्रवार को सरयू का जलस्तर 67.50 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर है। चौबीस घण्टे में जलस्तर में 20 सेमी की कमी दर्ज की गई है। गुरुवार को नदी 67.70 मीटर पर प्रवाहित हो रही थी। बाढ़ का पानी कम होने लगा है। जिसके चलते लोगों को कुछ राहत मिली है। हालांकि अभी भी बाढ़ का पानी बहुतेरे लोगों के घरों में भरा हुआ है। हालांकि अब जलस्तर कम होने लगा है।

बावजूद इसके विशुनपुर देवार के कई घरों में पानी भरा हुआ है। शिवकुमारी, बिंदु देवी, राजकुमारी देवी, बेचनी देवी, परसिया देवार के राजकिशोर प्रसाद, माया देवी, हरिकिशुन आदि ने बताया कि पानी कम होने के बाद भी छह दिन से घर मे पानी भरा हुआ है। घर मे रहना, खाना, सोना मुश्किल हो गया है। विषैले जंतुओं का खतरा बना हुआ है। डर और बच्चो की सुरक्षा की चिंता खाए जा रही है। करीब तीन दर्जन से अधिक घरों से पानी निकला तो है किंतु घर मे पसरा कीचड़ और गन्दगी मुश्किल खड़ी कर रही है।

नगर में पटेल नगर के जहाज घाट रोड और नीलकंठ रोड से पानी कम हो रहा है। जिससे लोगों को राहत मिली है। गौरा और जयनगर के कई लोगों के दरवाजों पर अभी भी कीचड़ जमा है। लोगों को सड़ांध से संक्रमक रोगों की चिंता सताने लगी है।

निजी अस्पताल में केस भेजने के आरोप में 228 आशा कार्यकत्री को नोटिस

संवाददाता–देवरिया। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सीएमओ कार्यालय के धन्वंतरि सभागार में हुई। इसमें मातृत्व सुरक्षा योजना, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण, आशा कार्यक्रम समीक्षा, रोगी कल्याण, परिवार कल्याण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रतिरक्षण कार्यक्रम, हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर समेत सभी स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कहाकि मकान मालिक किसी झोलाछाप डॉक्टर या अपंजीकृत अल्ट्रासाउंड सेंटर या नर्सिंग होम को किराए पर अपना भवन न दें। यदि इन अपंजीकृत केंद्रों के विरुद्ध कोई कार्रवाई होती है तो मकान मालिक को असुविधा के दौर से गुजरना पड़ता है। इसलिए मकान मालिक किराए पर भवन देते समय अवश्य सावधानी बरतें। डीएम ने कहाकि सभी चिकित्सक अपने दायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करते हुए अगले महीने संस्थागत प्रसवों में बढ़ोत्तरी लाने का प्रयास करें। संस्थागत प्रसव की दर में आ रही कमी को परख करी उसका निदान करें। प्रसव के लिए निजी अस्पताल में भेजने में 228 आशा की भूमिका संदिग्ध पायी गई है। इन सभी को प्रधान के माध्यम से नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है। डीएम ने कहा कि यदि कोई आशा किसी गर्भवती को निजी अस्पताल में भेजती हुई पायी जाएगी तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डीएम ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में किसी भी बाहरी व्यक्ति से कार्य न लें। आउटसोर्सिंग से रखे जा रहे कर्मचारियों का पुलिस वैरिफिकेशन जरूर कराएं। प्रत्येक आशा द्वारा गृह आधारित नवजात शिशु देखभाल (एचबीएनसी) कार्यक्रम शत प्रतिशत पूरा कराया जाए। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर स्वास्थ्य संबंधी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए।

परिवार कल्याण के अन्तर्गत जन सामान्य को जागरूक करते हुए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि आशाओं एवं आंगनबाडी कार्यकत्रियों की डोर–टू–डोर विजिट बढाई जाए ताकि नियमित टीकाकरण का लक्ष्य शत–प्रतिशत पूर्ण हो सके। सीएमओ ने कहाकि हर लाभार्थी तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचायी जाएं। एमओआईसी झोलाछाप डॉक्टरों व बिना रजिस्ट्रेशन वाले अस्पतालों पर कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज कराएं। डीएम के निर्देश पर अगस्त माह में झोलाछाप डॉक्टरों, क्लिनिक, अल्ट्रासाउंड सेंटर के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया। कुल 276 जांच हुई। इसमें 198 अपंजीकृत संस्थानों को नोटिस दिया गया और 44 केंद्रों को सील किया गयाजिलाधिकारी के निर्देश पर इसे एक माह के लिए बढ़ाया जा रहा है। बैठक में सीएमओ डॉ. राजेश झा, एसीएमओ डॉ. सुरेंद्र चौधरी, एसीएमओ डॉ. एचके सिन्हा, सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा, अरबन नोडल अधिकारी डॉ. आरपी यादव, डॉ. हरेंद्र कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी चंद्रप्रकाश मिश्र, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल, एआरओ राकेश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

भूमि बंटवारे को लेकर चले लाठी डंडे, सात घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। भूमि बंटवारे को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें महिलाओं समेत कुल सात लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराकर आठ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पश्चिम केवटन पुरवा निवासी नागेश्वर निषाद पुत्र शुद्धि व पंकज कुमार पुत्र रामेश्वर के बीच शुक्रवार देर रात को जमीन बटवारे को लेकर विवाद होने लगा। जिसमें पंकज ने अपने बड़े पिता नागेश्वर पर लाठी डंडों से हमला कर घायल कर दिया। मारपीट होता देख दोनों पक्ष के लोग मौके पर आ गए और सभी मारपीट करने लगे। दोनों ओर से लाठी डंडे चलने लगे। मारपीट में एक पक्ष से नागेश्वर, सुनील पुत्र अनंतराम, अनंत राम पुत्र नागेश्वर व दूसरे पक्ष से अनीशा पत्नी पंकज, पंकज पुत्र रामेश्वर, जगरानी पुत्री रामेश्वर व नईका पत्नी रामेश्वर समेत कुल सात लोग घायल हो गए। दोनों पक्ष के लोगों ने इकौना थाना पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया। वहीं नागेश्वर समेत तीन लोग गंभीररूप से घायल थे जिन्हे सीएचसी से जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों पक्ष की तहरीर पर दोनों पक्ष के कुल आठ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

संयुक्त अभियान में तीन पिकअप पर लदा चाइनीज लहसुन और मक्का बरामद

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के नेपाल बॉर्डर से सटे बहुआर लाइन टोला के पास एसएसबी झुलनीपुर, पुलिस चौकी बहुआर व कस्टम निचलौल की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान तीन पिकअप पर लदा विदेशी लहसुन व मक्का नेपाल से लेकर आते समय पकड़ लिया। एसओ देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि नेपाल से तीन पिकअप लहसुन और मक्का भारतीय क्षेत्र में पहुंचा जा रहा है। इस पर झुलनीपुर एसएसबी तथा कस्टम निचलौल की टीम को साथ लेकर बहुआर बॉर्डर रोड के करीब घेराबंदी की गई। कुछ समय के बाद बॉर्डर से बहुआर लाइन टोला के करीब नेपाल की तरफ से तीन पिकअप आता हुआ दिखाई दिया। पिकअप को रोकने का प्रयास पर पिकअप चालक संयुक्त टीम को देखकर पिकअप मौके पर छोड़ नेपाल की तरफ भाग गए। एसओ ने बताया कि तीनों पिकअप पर कुल 130 बोरी मक्का (65 कुंतल) तथा 98 बोरी लहसुन (19.7 कुंतल) लदा हुआ मिला। तीनों पिकअप सामान सहित सीज कर कस्टम निचलौल को सौंप दिया गया है।इस टीम में कस्टम अधीक्षक केएन सिंह, निरीक्षक अभय कुमार तिवारी, हवलदार राजेंद्र बहादुर सिंह, शंभू प्रसाद झुलनीपुर बीओपी प्रभारी अरुण कुमार पांडेय, एसआई सुदीप, कुलदीप कुमार, मंजीत उरांव, मनोज कुमार, पंकज कुमार, बहुआर चौकी प्रभारी नीरज कुमार यादव, प्रमोद कुमार शाह, सुशील कुमार सिंह, रविंद्र यादव, अंकित यादव, शिव प्रताप सिंह आदि शामिल रहे।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के पात्रों के चयन को होगा सर्वे

संवाददाता–देवरिया। शासन के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आवास प्लस सूची के लिए पात्रों के चयन का सर्वे होगा। इसकी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत सचिवों को दी गई है। ग्राम पंचायत की खुली बैठक में बीडीओ द्वारा नामित अधिकारियों की मौजूदगी में लाभार्थियों का चयन होगा। अपात्र व्यक्तियों के चयन पर इसकी जवाबदेही सम्बंधित ग्राम पंचायत सचिव की होगी। वर्ष 2018 के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास के लिए पात्रों के चयन की प्रक्रिया ठप थी। शासन के निर्देश पर 2018 से अतिरिक्त पात्र मिलने वाले लोगों को वर्ष 2024–25 में आवास प्लस की सूची में जोड़ा जाएगा।लाभार्थियों के चयन के लिए ग्राम पंचायतों में तीन दिन पूर्व बैठक के सम्बन्ध में नोटिस निर्गत किया जाएगा। जिससे कि चयन के लिए होने वाली बैठक में ग्राम पंचायत के अधिक से अधिक लोग प्रतिभाग करें।

बैठक को पीएमएवाई–जी सर्वे 2024 उन्मुखीकरण गोष्ठी का नाम दिया जाएगा। पात्रों के चयन के बाद सचिव के माध्यम से इसकी सूची खंड विकास अधिकारी कार्यालय को जाएगी। इसके बाद खंड विकास अधिकारी द्वारा एडीओ पंचायत के माध्यम से सूची में शामिल लोगों की जांच कराई जाएगी। बैठक में जिन लाभार्थियों का चयन होगा उनके नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। जिसे संबंधित ग्राम पंचायत के सार्वजनिक स्थानों पर चयनित लोगों का नाम अंकित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित नाम पर आपत्ति होगी तो बीडीओ कार्यालय के अलावा जिला मुख्यालय पर भी शिकायत की जा सकती है। ऐसे परिवार जिनके पास आवास नहीं है, कच्ची मकान, घास फूस की झोपड़ी, आश्रय विहीन परिवार, बेसहारा/भीख मांग कर जीवनयापन करने वाले, हाथ से मैला ढोने वाले, आदिम जनजातीय समूह सहित शासन द्वारा निर्धारित पात्रता की श्रेणी में आने वाले व्यक्ति ही योजना के पात्र होंगे। अनिल कुमार, परियोजना निदेशक, डीआरडीए ने कहा कि शासन के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आवास प्लस सूची के लिए ग्राम सभा की बैठक के बाद पात्रों के चयन का सर्वे शुरू होगा। शासन द्वारा निर्धारित पात्रता पूर्ण करने वाले व्यक्ति ही आवास योजना के लाभार्थी होंगे।

परिषदीय व कस्तूरबा विद्यालयों की हैंडबाल टीम को हुआ चयन

संवाददाता–देवरिया। परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के छात्र और छात्राओं की अंडर 14 और 17 वर्षीय हैंडबाल टीम की जनपद स्तरीय टीम के लिए रविन्द्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में ट्रायल हुआ। जिसमें अंडर 14 वर्षीय बालक और बालिका के जिला स्तरीय टीम का चयन किया गया। इसके साथ ही कस्तूरबा गांधी के 17 और अंडर 14 वर्ग के बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया। जिले के अलग अलग स्थनों से आए छात्रों ने हैंडबाल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाया। जिसमें से जिला स्तरीय टीम का चयन किया गया। अंडर 14 बालक वर्ग में अंकुर, अभिषेक, आदित्य, अतुल शर्मा, रणधीर, सूरज, कृष्णा रावत, अरिकेश प्रसाद, नोगेश शर्मा, सूरज, अंशु गौतम , प्रिंस, यश और मंत्रोष का जिला स्तरीय टीम के लिए चयन हुआ। बालिका वर्ग में नीलम, रागीनी, रीतिमा, रंजना, दिव्यांशी, अंशु, मंधु, प्रीति गुप्ता, खुशी, दिशा, शिवांशी, रितिका, राधा और राधा यादव का जिला स्तरीय टीम के लिए चयन हुआ। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के अंडर 14 वर्ग के लिए शिवानी कुमारी, श्वेता चौहान, साक्षी पाण्डेय, शालू, अंकिता यादव, नैंसी शर्मा, सपना प्रजापति, मोहनी प्रजापति, साक्षी सिंह, गुंजा भारती, शिवांगी और पायल का जिला स्तरीय टीम के लिए चयन किया गया। अंडर 17 टीम के लिए नेहा कुशवाहा, अर्चना भारती, गरिमा जायसवाल, सपना, किरन, श्वेता यादव, आंचल, अंकिता शर्मा, चन्द्रावती कुशवाहा, ज्योति, रोशनी, राधिका पटेल का चयन जिला स्तरीय टीम के लिए हुआ।

चोरी की रकम और कपड़ों के साथ दो युवकों को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल कस्बे के मुख्य तिराहा के पास गारमेंट्स की दुकान में बीते 25 अगस्त को हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस घटना में शामिल दो युवकों को पुलिस ने चोरी की रकम और कपड़ों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

निचलौल कस्बे के मुख्य तिराहा के पास अजय कुमार गुप्ता की रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान है। उसकी दुकान में पीछे का दीवाल तोड़कर चोरों ने नगदी और कपड़ा चुरा लिया था। अजय ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। चोरी की घटना ब्लॉक और बगल के दुकान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। सीसीटीवी कैमरा खंगालने के बाद पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों से पूछताछ भी की।

इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि दो युवक टिकुलहिया गांव के पास चोरी के सामान के साथ कहीं भागने की फिराक में हैं। इस पर एसओ देवेंद्र कुमार सिंह अपने साथ एसआई राधेश्याम यादव, हेड कांस्टेबल विवेक मणि त्रिपाठी, कांस्टेबल राहुल सिंह, धर्मवीर चौहान और सत्येंद्र कुमार सिंह को साथ लेकर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दो युवकों को पकड़ लिया।

पूछताछ में दोनों ने अपना नाम क्रमशः मुकेश कसौधन निवासी कोर्ट मोहल्ला निचलौल और सौरभ कुमार पासवान निवासी कृष्णानगर निचलौल कस्बा बताया है। इनके पास से चोरी के पांच हजार रुपये और कपड़ा पकड़ा गया है। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है। एसओ देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान में हुई चोरी में शामिल दो युवकों को रकम और कपड़ा के साथ गिरफ्तार किया गया है।

श्रम योजनाओं का कराएं प्रचार, लोगों को करें जागरूक –डीएम

संवाददाता–महराजगंज। श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए डीएम अनुनय झा ने निर्देश दिया कि योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाय। लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जाए ताकि लोग योजनाओं का लाभ ले सकें। डीएम ने श्रम विभाग द्वारा संचालित मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार गंभीर बीमारी सहायता योजना, महात्मा गांधी पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के तीन श्रमिकों को एक्स ग्रेशिया योजना के तहत दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

साथ ही ज्यादा से ज्यादा संख्या में ई–श्रम पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के कामगारों का पंजीकरण कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी चक्रधारी ओझा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में गंदगी देख भड़के डीएम, लगाई फटकार

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी ने सीडीओ के साथ जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में जगह जगह लगे कूड़े के ढेर व गंदगी देख डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। सफाई कर्मचारी नदारद मिले इस पर डीएम ने उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। हिन्दुस्तान में शनिवार के अंक में जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं को लेकर जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाएं बेपटरी शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई थी। खबर का संज्ञान लेकर शनिवार सुबह ही जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, सीडीओ अनुभव सिंह के साथ संयुक्त जिला अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंच गए। इस दौरान पर्चा काउंटर पर लम्बी लाइन लगी थी। इस पर उन्होंने इसे व्यवस्थित कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर जलजमाव की स्थिति मिली। जिसे दुरुस्त कराने को निर्देशित किया। वहीं अस्पताल में जगह जगह कूड़े के ढेर लगे पाए गए और गंदगी व्याप्त मिली। वहीं सफाई कम्पनी का कोई भी कर्मचारी उपस्थित नहीं मिला। इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। ब्लड बैंक में डा. बीएन वर्मा व कम्प्यूटर आपरेटर मोहित अस्थाना उपस्थित मिले। कम्प्यूटर आपरेटर को डीएम ने गुटखा खाते पकड़ा। इस पर फटकार लगाते हुए उन्होंने जुर्माना लगाने व एक दिन की सैलरी काटने का निर्देश दिया। एसएनसीयू में रखी छोटी डस्टबिन को हटा कर बड़ी व रंगीन डस्टबिन रखने को कहा। वहीं डीएम ने स्टाफ नर्स बिन्दु जानकारी नहीं दे पाई। इस पर डीएम ने स्टाफ नर्स को सीएचसी ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। पीएचसी वार्ड में लगी एसी खराब मिली व एग्जास्ट फैन नहीं लगा था। डीएम ने एसी ठीक कराने व नया एग्जास्ट फैन लगाने का निर्देश दिया। आपरेशन थियेटर कक्ष के बाहर मरीज व तीमारदार गर्मी से बेहाल दिखे। डीएम ने करीब दो घंटे तक अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने मरीजों से मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं व भेजन तथा नास्ते के बारे में जानकारी ली। अस्पताल के बाहर पान गुटखा की दुकानों को तत्काल हटवाने को निर्देशित किया। इस मौके पर सीएमओ डा. एपी सिंह, सीएमएस डा. राम गोपाल आदि मौजूद रहे।

अपात्र को पट्टा देने की जांच करेंगे एसडीएम

संवाददाता–गोण्डा। पीड़ित के घर के सामने की भूमि को धोखाधड़ी करके उसको गांव से एक किमी दूर के आदमी को पट्टा कर दिया है। पीड़ित ने इसकी शिकायत डीएम से की है। डीएम ने एसडीएम को जांच सौपते हुए रिपोर्ट मांगा है। मामला ब्लॉक मनकापुर की ग्राम पंचायत गढी के मजरा बलछहवा गांव से जुड़ा है। शिकायत कर्ता रामप्रीत वर्मा के मुताबिक घर के सहन दरवाजे के पास में स्थित सरकारी भूमि पर काफी दिनों से जानवर बांधता था और कंडा भिटौर लगा रखे हुए थे । उसे काफी दिनों से कब्जा किये थे। उसी ग्राम पंचायत के सुदूर लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी के रहने वाले एक अन्य व्यक्ति को जो पट्टा पाने के लिए पूर्ण रूप से अपात्र थे लेकिन बिना पात्रता की जांच किये एक साजिश के तहत भूमि का अपात्र व्यक्ति को पट्टा दे दिया गया है। पीडित ने डीएम नेहा शर्मा से न्याय की गुहार लगाई है।

एक ही रात में तीन घरों में चोरी , जेवर व नकदी ले गए चोर

संवाददाता–गोण्डा। अज्ञात चोरों ने एक ही रात में तीन घरों में घुसकर लाखों के जेवरात , नकदी व कपड़े तथा अन्य घरेलू सामान पर हाथ साफ कर दिया है। पीड़ितों ने अज्ञात के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है। थाना कोतवाली देहात अंतर्गत ग्राम पंचायत भुलभुलिया में एक ही रात में तीन घरों में चोरी की घटनाएं घटित हुई। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार की रात में भुलभुलिया गांव निवासी रवि सिंह पुत्र राजमंगल सिंह, अर्जुन सिंह पुत्र बृज बहादुर सिंह व शिव बहादुर यादव पुत्र छोटे लाल के घरों में छत के रास्ते से घर में चोर घुस गये और घर में रखे सारे जेवरात व कपड़े तथा नकदी उठा ले गए। रवि सिंह ने बताया कि रात में करीब एक बजे घर चहारदीवारी फांद कर घर के पीछे लगे चौनल गेट का ताला तोड़कर चोर घर में घुस आए और घर में रखे बाक्स व अटैची को उठा कर पास में लगे केले के खेत में तोड़ा और उसमें रखे दस तोला सोना के जेवरात व नकदी उठा ले गए। आहट होने पर उनकी पत्नी जग गई और उसने मुझे जगाया तो मैंने चोरों को देखकर शोर मचाया। मौके पर तमाम लोग आ गए और घेराबंदी करके चोरों की तलाश की लेकिन वह भाग गए सुबह होने पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर तथा सूचना पुलिस को दी। जिस पर कोतवाली देहात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का जांच पड़ताल किया। पीड़ितों ने अज्ञात के विरुद्ध तहरीर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि चोरों के आतंक से क्षेत्र में असुरक्षा,भय व दहशत का माहौल व्याप्त है।

ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस की निष्क्रियता से कैथोला रेलवे स्टेशन के पास शाम होते ही अराजक तत्वों का जमावड़ा शुरू हो जाता है। जो आये दिन क्षेत्र में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। एक ही रात में ताबड़तोड़ चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में भय व असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। कोतवाली देहात पुलिस ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है।

महिला व पांच वर्ष की बच्ची लापता, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। लालापुरवा की एक महिला अपनी लड़की के साथ शाम को घर से शौच के लिए बाहर गई लेकिन देर रात तक वह घर वापस नहीं आई। जिस पर परिजनों ने काफी खोज की लेकिन नहीं मिली। जिसकी सूचना महिला के पति श्रवण कुमार ने पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कर जांच व कार्रवाई शुरू की। कौडिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरेबदल के मजरा लाला पुरवा के निवासी श्रवण कुमार ने पुलिस को एक शिकायती पत्र देकर कहा कि उसकी पत्नी मीरा देवी व 5 वर्षीय पुत्री रोशनी शाम को घर से शौच के लिए बाहर गई हुई थी। लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटी। जिस पर परिजनों ने काफी खोज की परंतु नहीं मिली। जिसकी सूचना महिला के पति ने पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की प्राथमिकी दर्ज कर जांच व कार्रवाई शुरू की। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कौडिया वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि लालापुरवा की एक महिला अपने लड़की के साथ शौच के लिए बाहर गई हुई थी। परंतु घर वापस नहीं आई । महिला के पति के सूचना पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

घर में ही फंदे से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–महराजगंज। मिठौरा क्षेत्र के ग्राम खजुरिया में एक युवक की लाश उसके ही घर में फंदे से लटकते मिली है। परिजनों ने इसकी सूचना चौक पुलिस को दी। एसओ प्रशांत कुमार पाठक ने शव को नीचे उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। खजुरिया निवासी संतोष की शादी करीब नौ साल पहले कोतवाली क्षेत्र के महुअवा ढाला की उर्मिला से हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के कुछ वर्षों तक सब कुछ ठीक रहा। दोनों से एक बेटा उत्कर्ष भी है। लेकिन इसके बाद दोनों में मनमुटाव हो गया और उसकी पत्नी मायके चली गई। काफी समय से वह मायके से नहीं आई है, जिससे संतोष परेशान रहता था। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी ने न्यायालय में एक वाद भी दाखिल किया है, जिसकी नोटिस मिली थी। आसपास के लोगों का कहना है कि शुक्रवार की शाम वह घर पर आया तो अपनी मां व बहनों से विवाद करने लगा। मामला किसी तरह शांत हुआ। परिजन खाना खाकर सोने चले गए और संतोष भी कमरे में चला गया। कुछ समय बाद जब उसकी मां ने दरवाजा खोलना चाहा तो वह नहीं खुला। अगल–बगल के लोग जुट गए और खिड़की से झांकने पर संतोष का शव लटकता दिखा। एसओ प्रशांत कुमार पाठक ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला पारिवारिक कलह का लग रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मृतक संतोष के पिता महंगू की मौत करीब तीन वर्ष पहले हो चुकी है। माता शांति अक्सर बीमार रहती हैं। उनका रो–रोकर बुरा हाल है। आठ बहनों में संतोष इकलौता भाई था। उसकी छह बहनों की शादी हो गयी है। दो बहनें शालू (20) व नीलू (19) अविवाहित हैं।

सीएम योगी एशिया के पहले राजगिद्ध संरक्षण केंद्र का करेंगे उद्घाटन

संवाददाता—गोरखपुर। देश ही नहीं एशिया में राजगिद्ध (रेड हेडेड वल्चर) के संरक्षण के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज रेंज में स्थापित "जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र" का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसके लिए 6 सितंबर की तिथि प्रस्तावित है। इस जटायु संरक्षण केंद्र का शिलान्यास भी मुख्यमंत्री ने 7 अक्टूबर 2020 को किया था। जटायु संरक्षण केंद्र का उद्घाटन करने के बाद 6 सितंबर को ही मुख्यमंत्री स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित मानीराम क्षेत्र के सोनबरसा गांव में 634.66 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। राजगिद्ध जटायु की गाथा तो रामायण काल से ही सभी जानते हैं लेकिन पर्यावरणीय खतरे के चलते जटायु के वंशजों के अस्तित्व पर ही संकट आ गया। योगी सरकार ने इस संकट को दूर करने का संकल्प लिया है। राजगिद्ध के संरक्षण व संवर्धन के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज (भारीवैसी) में जटायु संरक्षण व संवर्धन केंद्र बनाया गया है। इस केंद्र के जरिये राजगिद्धों की संख्या बढ़ेगी ही, विलुप्त होती प्रजातियों में शामिल इन जीवों को देखने के लिए सैलानियों की आमद बढ़ने से ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र की स्थापना पर कुल 2 करोड़ 80 लाख 54 हजार रुपये की लागत आई है। इसमें ब्रीडिंग एवरी, होल्डिंग एवरी, हॉस्पिटल एवरी, नर्सरी एवरी, वेटनरी सेक्शन, प्रशासनिक भवन, रिकवरी एवरी, गार्डरूम, जेनरेटर रूम, पाथवे का निर्माण किया गया है। इस केंद्र में कुल 8 स्टाफ कार्यरत हैं। जटायु संरक्षण केंद्र में कुल 6 राजगिद्धों (नर एवं मादा) को लाया जा चुका है। यहां राजगिद्ध गिद्धों की निगरानी की सीसी कैमरों से की जाएगी। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव के मुताबिक पांच हेक्टेयर जमीन पर बनाए गए इस केंद्र के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और प्रदेश सरकार के बीच में समझौता हुआ है।

गोरखपुर वन प्रभाग द्वारा बनाई गई कार्ययोजना के अनुसार इस जटायु संरक्षण केंद्र से आगामी आठ–दस साल में 40 जोड़े राजगिद्ध छोड़े जाने का लक्ष्य है। जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनबरसा गांव में आयोजित समारोह में 88 करोड़ 46 लाख 98 हजार रुपये की दो विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 546 करोड़ 19 लाख 11 हजार रुपये की तीन विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। लोकार्पण और शिलान्यास की इन परियोजनाओं की कुल लागत 634 करोड़ 66 लाख 9 हजार रुपये है। लोकार्पण की प्रमुख परियोजना बालापार–टिकरिया मार्ग स्थित रेल समपार संख्या–6 के स्पेशल टू लेन रेल ओवरब्रिज शामिल है। इसके निर्माण पर 84 करोड़ 87 लाख 58 हजार रुपये की लागत आई है। मुख्यमंत्री सोनबरसा गांव में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के सीएसआर फंड से जीडीए द्वारा बनवाए गए स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट पंचायत भवन का भी लोकार्पण करेंगे। इस पर 3 करोड़ 59 लाख 40 हजार रुपये की लागत आई है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों बालापार–टिकरिया–गांगी बाजार मार्ग के फोरलेन में चौड़ीकरण (लागत 519.62 करोड़), रिपोर्टिंग पुलिस चौकी सिकटौर को उच्चीकृत कर थाना सिकटौर सोनबरसा हेतु प्रशासनिक व आवासीय भवनों (लागत 26.56 करोड़) के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी करेंगे।

सरकार की मंशा के हिसाब से मरीजों को मिले स्वास्थ्य लाभ

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश शासन में पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य अरविंद पटेल ने शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के मिठवल सीएचसी का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को देखते हुए प्रसूताओं से बातचीत कर हाल जाना। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के हिसाब से मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिलना चाहिए। सीएचसी पहुंचे अरविंद पटेल ने ओपीडी, इमरजेंसी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष आदि को देखते हुए अधीक्षक से कार्यक्रमों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की। अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार रंजन ने बताया कि सीएचसी पर निरीक्षण अवधि तक 344 मरीजों ने परामर्श लिया है। प्रतिदिन सीएचसी पर लगभग 400 मरीजों की ओपीडी हो रही है। मरीजों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस दौरान बोर्ड के सदस्य ने सीएचसी में भर्ती जोगिया खुर्द गांव की प्रसूता मंजू व गिद्धौरा गांव की प्रसूता रीका से बातचीत कर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। डाइट में मिलने वाले नाश्ता व भोजन के बारे में भी पूछताछ की। अधीक्षक स्वयं सहायता समूह के प्रेरणा कैंटीन से भोजन व नाश्ता देने की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने भोजन मंगवाकर उसकी क्वालिटी को भी चखकर देखा। अस्पताल में शुरू हो रहे एनबीएसयू वार्ड में जाकर कार्यक्रम की जानकारी ली। इस दौरान दशरथ चौधरी, चिकित्सक डॉ. पीसी वर्मा, डॉ. अंगद वर्मा, डॉ. महेंद्र पटेल, डॉ. महफूज आलम, अनूप, कुशल टंडन, धर्मेंद्र विश्वकर्मा आदि मौजूद रहें। पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य अरविंद पटेल ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर इमरजेंसी व महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिलने वाली व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी हासिल की। वार्डों में पहुंचकर मरीजों–तीमारदारों से बातचीत की। इस दौरान प्राचार्य प्रो. डॉ. राजेश मोहन, सीएमएस डॉ. एके झा, डॉ. चंचला, उर्मिला राव गौतम आदि मौजूद रहीं।

पुलिस भर्ती परीक्षा देकर लौटे युवक की बस से कुचलकर मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बांसी कस्बे के माधव बाबू चौक पर पुलिस भर्ती परीक्षा देकर लौटे युवक की शुक्रवार की रात बस से उतरते समय पहिये के नीचे आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए बस को कब्जे में ले लिया है। बांसी कोतवाली क्षेत्र के कुशलपुर गांव निवासी शिवशंकर यादव (22) पुत्र बालजी यादव पुलिस भर्ती परीक्षा बस्ती से देकर शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे बांसी माधव बाबू चौक पर रोडवेज बस से उतर रहा था। इस दौरान बस का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। आनन फानन में लोग उसे लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बांसी पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली पुलिस ने रोडवेज बस को अपने कब्जे में ले लिया है। चालक और परिचालक फरार हो गए हैं। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी सूचना दी सभी लोग रात में ही अस्पताल पहुंच गए। मौत होने से परिजनों का रो–रो कर हाल बेहाल है। प्रभारी निरीक्षक बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बस पुलिस के कब्जे में है। बांसी कोतवाली क्षेत्र के कुशलपुर गांव निवासी शिवशंकर यादव को नौकरी की तलाश थी। उसने पुलिस भर्ती परीक्षा का फार्म भरने से पहले से उसकी तैयारी शुरू कर दी थी। प्रतियोगी परीक्षा की किताबें पढ़ने के साथ वह शारीरिक रूप से मजबूत बनने के लिए व्यायाम करता और दौड़ लगाता था। वह अपने परिवार वालों से कहता था कि वह लिखित परीक्षा जरूर पास कर लेगा। शारीरिक तौर पर भी पूरी तरह से फिट है इससे उसके सेलक्शन में कोई अड़चन नहीं आएगी। नौकरी में आने के बाद घर का सहारा बनेगा लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। परीक्षा देकर लौटने के दौरान जिंदगी की जंग हार गया। परिवार पर गम का ऐसा पहाड़ टूटा है कि किसी के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

सुबह से निकली चटख धूप ने बढ़ाई गर्मी, परेशान रहे लोग

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में शनिवार को सुबह से ही तेज धूप निकली इसके साथ ही लोग उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहे। हवाएं ठप होने से और दिक्कतें हुई। दिन चढ़ने के साथ ही पारा चढ़ता गया। गर्मी अपने चरम पर थी। हालांकि इस प्रकार का मौसम फसलों के लिए बेहतर माना जा रहा है।

पिछले दो दिनों से मौसम तल्ख बना हुआ है। बारिश नहीं होने और चटख धूप की वजह से लोगों के सिर से पांव तक पसीना टपक रहा था। इस सप्ताह लोगों ने भारी बारिश की उम्मीद थी, लेकिन वह नहीं हुई। हल्की फुल्की बारिश ही हुई लेकिन धान की फसल के इसे बेहतर माना जा रहा है। दो दिन से आसमान साफ है। अधिकतम समय चटख धूप ही निकल रही है। इसकी वजह से गर्मी लोगों को परेशान करती रही। अधिकतम आर्द्रता 88 प्रतिशत रिकार्ड की गई।

इसी प्रकार न्यूनतम आर्द्रता 58 प्रतिशत रही है। तेज धूप की वजह से पशु पक्षी भी परेशान नजर आए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. सुजीत कुमार ने बताया कि पालतू पशुओं को दिन में हवा वाले स्थानों पर ही बांधे ताकि गर्मी का असर कम हो। गाय और भैंस को दिन में कम से कम दो बार सुबह और शाम को स्नान जरूर कराएं।

बिना रुपये दिए पेट्रोल भराने वाले कार चालक की तलाश

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के हाईवे पर दो दिन पहले मनियरा में स्थित बीपी पेट्रोल पंप से 2000 रुपये का पेट्रोल भरवा कर बिना रकम दिए कार लेकर भागने वाले चालक की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने कार को गोंडा के मसकनवा के पास से बरामद किया है। अब आरोपी चालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के महुई वनपुरवा निवासी गोरखनाथ पुत्र स्वर्गीय रामहित ने बताया कि वह बीपी पेट्रोल पंप मनियरा में तेल भरने का काम करते हैं। आरोप है कि 29 अगस्त को पेट्रोल पंप पर काले लाल रंग की अल्ट्रो कार तेल भरने के लिए मशीन पर पहुंची। 2000 रुपये का पेट्रोल कार में भरवाया और चालक ने मांगने पर रुपये नहीं दिया और कार लेकर भागने लगा। वह और उसके सहयोगी अनूप कुमार निवासी गोरयाभार ने बाइक से उक्त कार का पीछा करते हुए बूधा कला चौराहे तक गए। आरोपी ने पीछा करते देख उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे लोग बाइक लेकर गिर गए और काफी चोटें आई। उक्त घटना की सूचना देने पर मौके पर 112 नंबर की पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने बिना नंबर की कार के चालक नाम पता अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। गोला बाजार चौकी इंचार्ज मनीष जायसवाल ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया। जांच में पता चला कि उक्त बिना नंबर की कार खलीलाबाद शहर के एक कपड़ा व्यवसायी की है।

खलीलाबाद शहर का ही रहने वाला एक युवक जो कपड़ा व्यवसायी का परिचित है और उसकी दुकान पर आता–जाता था। बिना कपड़ा व्यवसायी से बताए ही उनकी कार की चाभी ले लिया और कार लेकर चला गया। युवक उक्त कार से बीपी पेट्रोल पंप से 2000 रुपये का पेट्रोल डलवाया और बिना पैसा दिए ही भाग निकला। युवक की पहचान कर ली गई है। कार को गोंडा जिले के मसकनवा से बरामद कर लिया गया है। जल्द ही उक्त युवक को पकड़ कर मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

ब्लैक स्पाट चिह्नित कर साइन और गति सीमा का बोर्ड लगाएं

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ. राजागणपति आर ने ब्लैक स्पाट को चिह्नित कर साइन बोर्ड व गति सीमा का बोर्ड लगाने का निर्देश। सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाने और रोडवेज बस चालकों का नेत्र परीक्षण कराने के लिए निर्देशित किया। यह निर्देश डीएम ने शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिया। उन्होंने विद्यालय के वाहनों के फिटनेस की जांच कराने व बिना परमिट के चल रहे वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एआरटीओ को निर्देश दिया कि ओवर लोडिंग गाड़ियों नहीं चलनी चाहिए, ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक कर लें। सड़क दुर्घटना से बचने के लिए जागरूकता के लिए प्रचार–प्रसार किया जाए। जिनको लाइसेंस दिया जा रहा है उनको ट्रेनिंग दी जाए। अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिया कि रास्ते में पड़ने वाले ट्रांसफार्मर, बिजली पोल को हटवाएं। एनएच पर अवैध कटान को बंद कराने व एनएच–28 पर पथ प्रकाश को सही कराने का निर्देश दिया। इसके साथ उस्का–नौगढ़ मार्ग चौड़ीकरण के काम में तेजी लाकर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि पुराना नौगढ़ मोड़ पर एक तरफ सड़क धंस जाने से वाहन जाते समय पलट सकता है, उसे ठीक कराएं। ककरही पुल का अप्रोच ठीक नहीं है, छोटी गाड़ियों के पलटने का भय है। इस अवसर पर सीडीओ जयेंद्र कुमार, एडीएम उमाशंकर, एआरटीओ सुरेश मौर्य, बीएसए देवेंद्र कुमार पांडेय, अधिशासी अभियंता विद्युत ज्ञान प्रकाश आदि मौजूद रहे।

पोल में उतरा करंट, महिला की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली क्षेत्र के करमी गांव में बिजली के पोल में करंट उतरने से महिला की मौत हो गई। उसकी मौत से परिवार में मातम छा गया। करमी गांव निवासिनी दुशाली (60) सड़क की तरफ टहलने निकली थी। सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से सट गई। पोल में करंट उतर रहा था। पोल के संपर्क में आते ही करंट की चपेट में आ गई और उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्या का कहना है कि मुझे कोई सूचना नहीं है।

सीसीटीवी कैमरों से हो रही निगरानी, अपराध पर लगेगी लगाम

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी हो रही है। इसके लिए कलक्ट्रेट में इंट्रीग्रेटेड कमांड सेंटर बनाया गया है। इससे जिले में अपराधों पर लगाम लगाने में सहूलियत होगी। साथ ही यातायात व्यवस्था के संचालन में भी आसानी होगी। खलीलाबाद शहर के साथ ही लखनऊ–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग भी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन्हें वायरलेस सिस्टम के जरिए कलक्ट्रेट में स्थापित इंट्रीग्रेटेड कमांड सेंटर से जोड़ा गया है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने जनपद मुख्यालय खलीलाबाद को सेफ सिटी बनाने की दिशा में अक्तूबर 2023 में ही पहल शुरू कर दिया था।

शिक्षामित्रों का आर–पार आंदोलन का ऐलान, 5 सितंबर को लखनऊ में ऐतिहासिक प्रदर्शन

संवाददाता—गोरखपुर। आगामी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर लखनऊ में शिक्षामित्रों का ऐतिहासिक प्रदर्शन होगा। मांगें न मानी जाने पर आर–पार की लड़ाई लड़ने को शिक्षामित्र तैयार हैं। शनिवार को उरुवा ब्लाक के शिक्षामित्रों की बैठक में इस आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राम प्रेम व राम सजन ने संयुक्त रूप से उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि शिक्षामित्र अपने हक की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाएं। सरकार ने अब तक हमारी समस्याओं को नजरअंदाज किया है, लेकिन इस बार हम पीछे नहीं हटेंगे। बसों से लखनऊ के लिए शिक्षा मित्र रवाना होंगे। यह आंदोलन मांगे पूरी न होने तक अनिश्चितकालीन होगा,जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं शिक्षामित्रों से अपील की कि वे इस धरने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं और संगठन के साथ खड़े रहें। महंगाई के इस दौर में 10 हजार रुपये मानदेय पर काम करना शिक्षामित्रों के लिए बेहद कठिन हो गया है। इस अवसर पर राजाराम यादव, राजदेव, मुरलीधर, गिरधर ओझा, संजय कुमार, संदीप, माया प्रजापति, शशिकला यादव, सिन्धु देवी, सहित तमाम शिक्षा मित्र मौजूद रहे।

हत्या व हत्या के प्रयास के दो आरोपियों को आजीवन कारावास

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में हत्या व हत्या के प्रयास के दो आरोपियों को अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम जितेन्द्र सिंह द्वितीय की कोर्ट ने दोषसिद्ध करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपी सगीर व अंसार अहमद पर कैंची से घोंपकर एक की हत्या करने तथा अन्य पर हत्या की नीयत से प्रहार करने का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने दोनों आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में कुल तीन लाख दस हजार रुपए का अर्थदण्ड का भी फैसला दिया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपियों को एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदण्ड की आधी धनराशि वादी मुकदमा को देने का भी आदेश दिया है। आरोपियों में एक बाल अपचारी होने के कारण पत्रावली किशोर न्याय बोर्ड को अंतरित हो चुकी है। प्रकरण में मृतक के मामा ने अभियोग पंजीकृत कराया था। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले में अकबाल अहमद पुत्र नसीबुल्लाह ग्राम सुकरौली थाना दुधारा ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उनका आरोप था कि मेरे भांजे एजाज अहमद पुत्र तबारक अली निवासी सुकरौली से गांव के सगीर अहमद पुत्र शब्बीर अहमद से रास्ते का विवाद चल रहा था।

इसी रंजिश को लेकर दिनांक 16 मई 2019 को समय लगभग साढ़े पांच बजे अगया तिराहे पर सगीर अहमद पुत्र शब्बीर अहमद, मोहम्मद इमरान पुत्र गुलाम अली निवासी सुकरौली व अंसार अहमद पुत्र अजीजुल्लाह निवासी अगया मार रहे थे। भांजे के शोर पर वादी व उसका पुत्र कमाल अहमद उर्फ राजू बचाव हेतु पंहुचे तो देखा कि मेरे भांजे को अंसार अहमद व मोहम्मद इमरान पकड़े हुए हैं और सगीर अहमद हत्या की नीयत से धारदार हथियार कैंची से गले पर वार कर दिया । हम दोनों को भी तीनों लोग मारा–पीटा। जिससे गम्भीर चोट आ गई। भांजे को सीएचसी सेमरियावां ले गए वहां उसकी मृत्यु हो गई। विवेचना के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या व हत्या के प्रयास का आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अनिल कुमार सिंह ने बताया कि अभियोजन की तरफ से सात साक्षी न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। बचाव पक्ष के अधिवक्ता राम शरण चौबे ने बताया कि आरोपियों के तरफ से दो गवाह पेश किए गए थे। पक्षों की बहस सुनने के पश्चात अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम जितेन्द्र सिंह द्वितीय की कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दोष सिद्ध करार दिया।

जैविक खेती के लिए जिले के 270 गांव चिह्नित

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जैविक खेती के लिए जिले के 270 गांवों को चिह्नित किया गया है। इनके निरीक्षण के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नामित किए जाएं। जिला स्तरीय अधिकारी पांच–पांच, डीएम व सीडीओ के स्तर पर तीन–तीन गांवों का निरीक्षण किया जाएगा। यह जानकारी डीएम डॉ. राजागणपति आर ने कलक्ट्रेट सभागार में नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड टेक्नोलॉजी के सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर (आत्मा) योजना के गवर्निंग बोर्ड की बैठक में दी। डीएम को बताया गया कि वैज्ञानिक विधि से खेती करने के उद्देश्य से जिले के 350 किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र सोहना पर दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा 70 कृषकों को सात दिवसीय प्रशिक्षण गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उत्तराखंड में कराया गया है। डीएम ने कहा कि जनपद में मसूर की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित करें। किसान पाठशाला के माध्यम से जनपद में 42 खरीफ फसलों का उत्पादन के लिए चिन्हित किए गए हैं। फार्मर स्कूल के माध्यम से जो गांव खेती के लिए चिन्हित किया गया है, वहां पर मानक अनुरूप खेती कराने का निर्देश दिया।

आवश्यकता है

मदरसा आरिफुल इस्लाम इस्लामिया इदारा को0डी0 भैरोपुर पोस्ट– बेईली बाजार जनपद बस्ती में निम्न पदों पर आवश्यकता है–

तहतानियां– तीन अध्यापक एक हाफिज जो मदरसा बोर्ड से आलिम भी पास हों तथा दो आलिम अरबी / फारसी

फौकानियां– तीन अध्यापक एक बी.एड या बी.टी.सी तथा 2 मुंशी, मौलवी आलिम, कामिल, फाजिल।

कर्लक– एक पद इण्टर मीडिएट या मुंशी आलिम, कम्प्यूटर ट्रिपल सी. का ज्ञान।

चपरासी– एक पद हाई स्कूल या मुंशी मौलवी।

इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र विज्ञापन प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर सभी प्रमाण–पत्रों के साथ रजिस्टर्ड या सीधे कार्यालय में जमा करा दें। सभी नियुक्तियां मदरसा शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के नियमानुसार होंगी। साक्षात्कार 29 सितम्बर 2024 को दिन में 10 बजे से कार्यालय में होंगी। अभ्यर्थियों को यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

प्रबन्धक
(नसीब अली)
मो0 7565961000, 7408770395

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

वाद संख्या 36 / 2024

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला सिद्धार्थनगर

बलिकरन
बनाम
अमिरका आदि

1. अमिरका उम्र लगभग 65 वर्ष 2. मुनिराम उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्रगण सोहरत साकिन डड़वा शुक्ल तप्पा रुधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

3. रामनेवास उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्र बगेदू साकिन डड़वा शुक्ल तप्पा रुधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 20–09–2024

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **20–09–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 234 / 2024

राम सुमेर–सायलान

1 राम सुमेर उम्र लगभग 59 वर्ष 2. राम किशोर उम्र लगभग 53 वर्ष 3. चन्द्रेश उम्र लगभग 57 वर्ष 4. रामकेश उम्र लगभग 52 वर्ष 5. नेबू लाल पुत्रगण लालू साकिन कछिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 13–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 41 / 2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

गीता देवी
बनाम
राम सुधारे आदि

2. इन्द्रावती देवी पत्नी राम सुधारे 3. अन्जनी कुमार पुत्र राम सुधारे ग्राम कुर्दा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 279 / 2024

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

फूलचन्द
बनाम
श्रीमती विन्दु आदि

1.श्रीमती विन्दु उम्र 50 वर्ष पत्नी सुभाष चन्द ग्राम महुआ कुलवापुर हाल मुकाम वार्ड नं0–23 मकान नं0–456 आवास विकास कालोनी गांधीनगर अमहुत जिला–बस्ती उ0प्र0 का स्थायी निवासिनी है
–प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग

2. श्रीमती उर्मिला उम्र लगभग 60 वर्ष पत्नी गुलाब चन्द 3. गुलाब चन्द उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र रामदेव साकिनान मौजा कौड़ीकोल बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती का स्थायी निवासीगण है।
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 07–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 08 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

युवती लापता, आरोपित के घर में की तोड़फोड़

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में लापता युवती के परिजनों ने कथित आरोपित के घरवालों को लाठी–डंडे से पीट दिया। आरोप है कि घर में घुसकर तोड़फोड़ कर सामान तितर–बितर कर दिए। आरोपित की मां की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने चार के खिलाफ मारपीट, धमकी व तोड़फोड़ का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र के एक गांव की महिला सावित्री देवी का आरोप है कि उसका बेटा मुराली गांव की एक युवती को भगा ले गया था। युवती का भाई विशाल व लक्ष्मण अपने दो साथियों सन्नी व संजय के साथ शुक्रवार की शाम दरवाजे पर चढ़कर गलियां देने लगे। मना करने पर लाठी–डंडे से घरवालों को मारने–पीटने लगे। जो भी बीच बचाव करने आया उसे भी मार–पीटे तथा घर में घुसकर तोड़फोड़ कर सारा सामान तीतर बितर कर दिया। महिला की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस चार के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com